



## कोयला आधारित ताप वदियुत संयंत्रों में बायोमास के उपयोग पर राष्ट्रीय मशिन

### प्रलिस के लयि

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP), वायु प्रदूषण, राष्ट्रीय ताप वदियुत नगिम लमिटिड (NTPC), अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, उजाला (UJALA) योजना

### मेन्स के लयि

बायोमास के उपयोग एवं महत्त्व, वायु प्रदूषण के कारण और नविवरण, वायु प्रदूषण को कम करने संबंधी प्रमुख योजनाएँ

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में वदियुत मंत्रालय ने कोयला आधारित ताप वदियुत संयंत्रों में बायोमास का उपयोग बढ़ाने के लयि एक राष्ट्रीय मशिन स्थापति करने का फैसला कयि है।

### प्रमुख बदि

#### परचिय:

- बायोमास पर प्रस्तावति राष्ट्रीय मशिन [राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम \(NCAP\)](#) में भी योगदान देगा।
- यह देश में ऊर्जा संबंधी बदलाव और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के हमारे लक्ष्यों में मदद करेगा।

#### लक्ष्य:

- खेत में [प्राली जलाने \(stubble burning\)](#) से होने वाले [वायु प्रदूषण](#) की समस्या का समाधान करना और ताप वदियुत उत्पादन के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना।

#### उद्देश्य:

- ताप वदियुत संयंत्रों से कार्बन न्यूट्रल बजिली उत्पादन का बड़ा हसिसा पाने के लयि [बायोमास को-फायरिंग \(co-firing\)](#) के स्तर को वर्तमान 5 प्रतिशत से बढ़ाकर उच्च स्तर तक ले जाना।
  - बायोमास को-फायरिंग उच्च दक्षता वाले कोयला बॉयलरों में ईंधन के एक आंशकिक विकल्प के रूप में बायोमास को जोड़ने को संदर्भित करता है।
- बायोमास पलेट (Pellets) में सलिकिा, कषार की अधिक मात्रा को संभालने के लयि बॉयलर डिज़ाइन में [अनुसंधान एवं वकिस \(R&D\)](#) गतविधि शुरू करना।
- बायोमास पलेट एवं कृषि-अवशेषों की आपूर्ति शृंखला में बाधाओं को दूर करने और बजिली संयंत्रों तक इसके परिवहन को सुगम बनाना।
- बायोमास को-फायरिंग में नयिामक मुद्दों पर वचिवार करना।

#### प्रस्तावति संरचना:

- इस मशिन के अंतर्गत सचवि (वदियुत मंत्रालय) की अध्यक्षता में एक संचालन समिति का गठन कयि जाएगा जसिमें [पेट्रोलयिम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय \(MOPNG\)](#), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) आदिके प्रतिनिधियों सहति सभी हतिधारक शामिल होंगे।
- [राष्ट्रीय ताप वदियुत नगिम लमिटिड \(NTPC\)](#) प्रस्तावति राष्ट्रीय मशिन में रसद और बुनयिादी ढाँचा संबंधी सहायता प्रदान करने में बड़ी भूमिका नभिएगा।

## अवधि:

- प्रस्तावित राष्ट्रीय मशिन की अवधि न्यूनतम 5 वर्ष की होगी।

## कोयला आधारित वदियुत संयंत्रों से प्रदूषण कम करने की पहल:

- कोयला आधारित ताप वदियुत संयंत्रों के लिये कठोर उत्सर्जन मानकों को अधिसूचित किया गया है।
  - वर्षाकृत सल्फर डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कटौती हेतु फ्ल्यू गैस डिसलफराइजेशन (Flue Gas Desulphurization-FGD) इकाइयों को स्थापित करने के लिये उत्सर्जन मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिये।
- पुराने के स्थान पर सुपरक्रिटिकल इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिये कुछ शर्तों के अधीन अक्षम वदियुत संयंत्रों से नए सुपर क्रिटिकल संयंत्रों को कोयला लकिंज के स्वचालित हस्तांतरण को मंजूरी दी गई।
- सीवेज उपचार सुविधाओं के 50 कमी. के अंदर स्थापित ताप वदियुत संयंत्र अनिवार्य रूप से उपचारित सीवेज जल का उपयोग करेंगे।

## वायु प्रदूषण को कम करने के लिये अन्य पहलें:

- [भारत स्ट्रेज-VI \(BS-VI\) उत्सर्जन मानक](#)।
- [उजाला \(UJALA\) योजना](#)।
- [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन](#)।
- [जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना \(NAPCC\)](#)।

## बायोमास (Biomass)

### परिचय:

- बायोमास वह संयंत्र या पशु सामग्री है जिसका उपयोग बजिली या ऊष्मा का उत्पादन करने के लिये ईंधन के रूप में किया जाता है। इनमें प्रमुख रूप से लकड़ी, ऊर्जा फसलें और वनों, मैदान (Yards) या खेतों से निकलने वाले अपशिष्ट शामिल हैं।
- देश के लिये बायोमास सदैव एक महत्त्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत रहा है, जो इसके द्वारा प्रदान किये जाने वाले लाभों को संदर्भित करता है।

### लाभ:

- बायोमास अक्षय या नवीकरणीय, व्यापक रूप से उपलब्ध और कार्बन-तटस्थ है तथा इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण रोजगार प्रदान करने की क्षमता है।
- इसमें दृढ़ ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता है। देश में कुल प्राथमिक ऊर्जा उपयोग कालगभग 32% अभी भी बायोमास से प्राप्त होता है और देश की 70% से अधिक आबादी अपनी ऊर्जा ज़रूरतों के लिये इस पर निर्भर है।

## बायोमास वदियुत और सह उत्पादन कार्यक्रम:

- परिचय:
  - इस कार्यक्रम को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा शुरू किया गया है।
  - इस कार्यक्रम के अंतर्गत बायोमास के कुशल उपयोग के लिये चीनी मलों में खोई (Bagasse) आधारित सह-उत्पादन और बायोमास बजिली उत्पादन शुरू किया गया है।
  - वदियुत उत्पादन के लिये उपयोग की जाने वाली बायोमास सामग्री में चावल की भूसी, पुआल, कपास की डंठल, नारियल के गोले, सोया भूसी, डी-ऑयल केक, कॉफी अपशिष्ट, जूट अपशिष्ट, मूँगफली के गोले, धूल आदि शामिल हैं।
- उद्देश्य:
  - ग्रिड वदियुत उत्पादन हेतु देश के बायोमास संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिये प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।

## स्रोत : पी.आई.बी.